Pariksha Saathi — दैनिक करंट अफेयर्स

5 नवंबर 2026 • हिंदी

SSC CGL • CHSL • MTS • IBPS PO/Clerk • SBI PO/Clerk • RRB — 8 खबरें + 5 प्रश्न • स्रोत: PIB (सभी खबरें आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों से)

1 डीआरडीओ ने उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के तहत ओडिशा तट के पास डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल 'प्रलय' का सफल उड़ान परीक्षण किया

DRDO conducts successful flight-test of quasi-ballistic missile 'Pralay' from Dr APJ Abdul Kalam Island off Odisha as part of user evaluation trials

SSC • Railway • Defence • General

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 5 नवंबर 2026 को ओडिशा के तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल 'प्रलय' का सफल उड़ान परीक्षण किया। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज द्वारा तैनात विभिन्न रेंज उपकरणों से प्राप्त परीक्षण आंकड़ों ने पुष्टि की कि परीक्षण के सभी उद्देश्य पूरी तरह हासिल हुए। इस मिसाइल का स्वदेशी विकास हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत ने डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर किया है, और इस प्रणाली का उत्पादन विकास-सह-उत्पादन साझेदारों (डेवलपमेंट-कम-प्रोडक्शन पार्टनर्स) में से एक, भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने किया है। यह उड़ान परीक्षण उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के तहत डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारियों तथा उद्योग और रक्षा बलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया; मंत्रालय के अनुसार इस सफल परीक्षण के साथ प्रणाली को शामिल किए जाने (इंडक्शन) का समय निकट आ गया है। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, रक्षा बलों और उद्योग साझेदारों की सराहना की और कहा कि उन्नत प्रौद्योगिकियों से लैस यह मिसाइल उभरते खतरों के विरुद्ध सेना की तकनीकी क्षमताओं और परिचालन तैयारी को और मजबूत करेगी।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333276

2 डॉ. जितेंद्र सिंह ने हैदराबाद में सक्रिय अंतरिक्ष मलबा हटाने के लिए कॉसमोसर्व स्पेस की बेस-1 सुविधा का उद्घाटन किया, 2030 तक मलबा-मुक्त अंतरिक्ष का दृष्टिकोण प्रस्तुत किया

Dr Jitendra Singh inaugurates Cosmoserve Space's Base 1 facility in Hyderabad for active space debris removal and announces a vision of debris-free space by 2030

SSC • Railway • Science • General

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 5 नवंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन से वर्चुअल माध्यम से हैदराबाद में सक्रिय अंतरिक्ष मलबा हटाने और कक्षा में ही अंतरिक्ष सेवाएं (इन-ऑर्बिट सर्विसिंग) प्रदान करने के लिए कॉसमोसर्व स्पेस की बेस-1 सुविधा का उद्घाटन करते हुए 2030 तक अंतरिक्ष को मलबा-मुक्त बनाने का दृष्टिकोण (विज़न) प्रस्तुत किया। मंत्री के अनुसार भारत अंतरिक्ष से मलबा हटाने के क्षेत्र में विश्व के शुरुआती अग्रणी देशों में उभर रहा है, और एक भारतीय स्टार्टअप बाह्य अंतरिक्ष को अधिक सुरक्षित और संधारणीय बनाने के लिए प्रौद्योगिकियां विकसित कर रहा है। उद्घाटन समारोह गाचीबावली स्थित वीएसडी टेक पार्क में आयोजित हुआ; बेस-1 सुविधा लगभग 14,800 वर्ग फुट में फैली है; यहां अंतरिक्ष रोबोट का डिज़ाइन और निर्माण, अंतरिक्ष जैसी परिस्थितियों में उनका परीक्षण और मिशन नियंत्रण के माध्यम से उनका संचालन किया जाता है, और इसमें कक्षीय रेंडेज़्वस एवं कैप्चर प्रयोगशालाएं, अंतरिक्ष रोबोटिक्स नवाचार प्रयोगशालाएं, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुकरण प्लेटफॉर्म और उपग्रह एकीकरण के लिए क्लीन रूम हैं। मंत्री ने कहा कि कंपनी के मिशन एम्ब्रेस (EMBRACE) ने कंपनी की स्थापना के एक वर्ष के भीतर जुलाई 2026 में अंतरिक्ष में सॉफ्ट रोबोटिक पंखुड़ियों का परीक्षण किया, और उपग्रह प्रणालियों के लिए पिक्सेल, प्रणोदन प्रणालियों के लिए ध्रुव एयरोस्पेस नीदरलैंड्स और प्रक्षेपण सेवाओं के लिए स्काईरूट एयरोस्पेस के साथ उसकी साझेदारियां पूर्ण (एंड-टू-एंड) सहयोग की उभरती संस्कृति को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री के अंतरिक्ष सुधारों और न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड तथा इन-स्पेस (IN-SPACe) की स्थापना को श्रेय देते हुए उन्होंने कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था बढ़कर लगभग 9 अरब डॉलर तक पहुंच गई है और आगामी दशक में इसके 40-45 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि अंतरिक्ष स्टार्टअप पारितंत्र एकल अंक से बढ़कर लगभग 450 उद्यमों तक पहुंच गया है। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333047

3 आईएनएस सह्याद्रि भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के अभ्यास 'मालाबार 2026' में भाग लेने के लिए जापान के योकोसुका नौसैनिक बेस पहुंचा

INS Sahyadri arrives at Yokosuka Naval Base, Japan, for Exercise MALABAR 2026 with the navies of India, Japan, the United States and Australia

SSC • Railway • Defence • General

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का स्वदेशी निर्देशित मिसाइल स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस सह्याद्रि 4 नवंबर 2026 को बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'मालाबार 2026' में भाग लेने के लिए जापान के योकोसुका नौसैनिक बेस पहुंचा। जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (जेएमएसडीएफ) ने जहाज़ का गर्मजोशी से स्वागत किया, जो मंत्रालय के अनुसार भारत और जापान के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी और बढ़ते समुद्री सहयोग को दर्शाता है; स्वागत समारोह में योकोसुका जिले के कमांडेंट वाइस एडमिरल यागी कोजी और भारतीय मिशन के उप प्रमुख श्री आर. मधु सूदन उपस्थित रहे। मालाबार 2026 में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाएं एक साथ आ रही हैं, जिससे भाग लेने वाली समुद्री सेनाओं को बंदरगाह और समुद्र में गतिविधियों के माध्यम से परिचालन समन्वय बढ़ाने, अंतर-संचालन क्षमता मजबूत करने और पेशेवर विशेषज्ञता के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। बंदरगाह चरण में पेशेवर स्तर का संवाद और समन्वित योजना शामिल होगी, जिसके बाद समुद्री चरण होगा, जिसमें आईएनएस सह्याद्रि के साथ अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की भाग लेने वाली इकाइयां शामिल होंगी; मंत्रालय के अनुसार इन गतिविधियों से आपसी विश्वास और सहयोग मजबूत होगा और सुरक्षित एवं स्थिर हिंद-प्रशांत में योगदान मिलेगा। मंत्रालय ने कहा कि आईएनएस सह्याद्रि की भागीदारी 'महासागर' (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए परस्पर और समग्र उन्नति - MAHASAGAR) के दृष्टिकोण के अनुरूप क्षेत्र की समान विचारधारा वाली नौसेनाओं के साथ समुद्री साझेदारी के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333046

4 खान मंत्रालय ने 20 ब्लॉकों के साथ महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की नीलामी के नौवें चरण और अन्वेषण लाइसेंस नीलामी के तीसरे चरण का शुभारंभ किया

Ministry of Mines launches ninth tranche of critical and strategic mineral block auction with 20 blocks, and third tranche of Exploration Licence auction

SSC • Banking • General

खान मंत्रालय ने 5 नवंबर 2026 को महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी के नौवें चरण के साथ-साथ अन्वेषण लाइसेंस (ईएल) ब्लॉकों के आवंटन हेतु नीलामी के तीसरे चरण का शुभारंभ किया। शुभारंभ केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने किया; गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत मुख्य अतिथि थे और केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे भी उपस्थित रहे। नौवें चरण में खनिज (नीलामी) नियमों के तहत आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में कुल 20 महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉक नीलामी के लिए प्रस्तुत किए जा रहे हैं; इससे पहले के आठ चरणों में 100 अलग-अलग ब्लॉक प्रस्तुत किए गए थे, जिनमें से 64 की सफल नीलामी हुई, यानी सफलता दर 64 प्रतिशत रही। एमएमडीआर अधिनियम की धारा 10बीए के माध्यम से शुरू किए गए अन्वेषण लाइसेंस, इसी अधिनियम की सातवीं अनुसूची में निर्दिष्ट 29 महत्वपूर्ण एवं गहरे भूगर्भ में स्थित खनिजों के अन्वेषण में निजी निवेश का अवसर देते हैं; अब तक दो चरणों में 11 ईएल ब्लॉकों की सफल नीलामी हो चुकी है, और तीसरे चरण में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, तेलंगाना और गुजरात में कॉपर, वैनेडियम, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और पोटाश तथा हैलाइट सहित खनिजों के ब्लॉक प्रस्तुत किए गए हैं। सरकार ने 16 अक्टूबर 2026 को खनिज (नीलामी) तृतीय संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किए, जिनके तहत भाग-डी के खनिजों के लिए दूसरे दौर में आवश्यक तकनीकी रूप से योग्य बोलीदाताओं की न्यूनतम संख्या तीन से घटाकर दो कर दी गई है - यह बदलाव दोनों चरणों के निविदा दस्तावेजों में शामिल है - और अब आशय पत्र एकीकृत खनन पोर्टल के माध्यम से स्वचालित रूप से जारी होंगे। निविदा दस्तावेजों की बिक्री 5 नवंबर 2026 से शुरू हो गई है; इन्हें खरीदने की अंतिम तिथि 1 जनवरी 2027 और बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 7 जनवरी 2027 है। महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी दो-चरणीय आरोही फॉरवर्ड नीलामी से होगी, जिसमें राजस्व हिस्सेदारी का सर्वाधिक प्रतिशत उद्धृत करने वाला बोलीदाता सफल होगा, और ईएल ब्लॉकों की नीलामी दो-चरणीय अवरोही रिवर्स नीलामी से, जिसमें भविष्य के पट्टाधारक की राजस्व हिस्सेदारी में से सबसे कम प्रतिशत हिस्सेदारी उद्धृत करने वाला बोलीदाता सफल होगा।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333123

5 केंद्र सरकार ने त्यौहारी सीजन को देखते हुए राज्यों को कर हस्तांतरण की 1,09,019 करोड़ रुपये की नियमित किस्त सामान्य तारीख 10 नवंबर से पहले, 5 नवंबर 2026 को जारी की

Centre releases the regular tax devolution instalment of Rs 1,09,019 crore to States on 5 November 2026, ahead of the usual 10 November date, in view of the festive season

SSC • Banking • Railway • General

वित्त मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार ने 5 नवंबर 2026 को राज्य सरकारों को कर हस्तांतरण की नियमित किस्त के तौर पर 1,09,019 करोड़ रुपये जारी किए। सामान्यतः 10 नवंबर 2026 को जारी होने वाली मासिक किस्त को त्यौहारी सीजन को देखते हुए अग्रिम रूप से 5 नवंबर 2026 को जारी कर दिया गया; रिलीज़ के शीर्षक के अनुसार इसका उद्देश्य राज्यों को पूंजीगत खर्च में तेजी लाने और अपने विकास/कल्याण संबंधी खर्च के वित्तपोषण में सहायता देना है। साथ में जारी राज्यवार विवरण में सबसे अधिक राशि उत्तर प्रदेश को मिली है - 19,208 करोड़ रुपये; इसके बाद बिहार (10,845 करोड़ रुपये), मध्य प्रदेश (8,010 करोड़ रुपये), पश्चिम बंगाल (7,866 करोड़ रुपये) और महाराष्ट्र (7,022 करोड़ रुपये) हैं, जबकि सबसे कम राशि सिक्किम (365 करोड़ रुपये) और गोवा (398 करोड़ रुपये) को मिली है। सारणी में 28 राज्य शामिल हैं।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333166

6 सात महीनों में भारत की तैयार इस्पात की खपत 100 मिलियन टन के करीब: अप्रैल-अक्टूबर 2026 में 99.3 मिलियन टन, 7.5 प्रतिशत अधिक

India's finished steel consumption nears 100 Mt in seven months: 99.3 million tonnes in April-October 2026, up 7.5 per cent

SSC • Banking • Railway • General

इस्पात मंत्रालय के 5 नवंबर 2026 के अपडेट (जेपीसी के अनंतिम आंकड़ों पर आधारित) के अनुसार अप्रैल-अक्टूबर 2026 के सात महीनों में भारत में तैयार इस्पात की खपत 99.3 मिलियन टन (एमटी) रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 92.4 मिलियन टन से 7.5 प्रतिशत अधिक है। अकेले अक्टूबर 2026 में खपत 14.3 मिलियन टन रही, जबकि अक्टूबर 2025 में यह 13.4 मिलियन टन थी, यानी 6.6 प्रतिशत की वृद्धि। उत्पादन के मोर्चे पर अप्रैल-अक्टूबर 2026 में कच्चे इस्पात का उत्पादन 99.1 मिलियन टन (2.6 प्रतिशत अधिक) और तैयार इस्पात का उत्पादन 95.5 मिलियन टन (3.9 प्रतिशत अधिक) रहा। अप्रैल-अक्टूबर 2026 में तैयार इस्पात का आयात 4.90 मिलियन टन (28.9 प्रतिशत अधिक) और निर्यात 3.98 मिलियन टन (15.5 प्रतिशत अधिक) रहा, और मंत्रालय के अनुसार इस अवधि में मात्रा के हिसाब से भारत तैयार इस्पात का शुद्ध आयातक रहा। अपडेट में यह भी बताया गया है कि मंत्रालय की हरित इस्पात पहल (ग्रीन स्टील इनिशिएटिव) के तहत अक्टूबर 2026 तक जारी सूचियों में 108 अलग-अलग इस्पात उत्पादकों को हरित इस्पात प्रमाणपत्र (Green Steel Certificates) जारी किए गए हैं, और प्रमाणित उत्पादों में से अधिकांश को 5-स्टार रेटिंग मिली है; साथ ही मंत्रालय ने एमएसएमई की चिंताओं को दूर करने के लिए आईएस 14650 के अंतर्गत आने वाले अर्ध-तैयार स्टेनलेस स्टील उत्पादों के 162 ग्रेड को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के अनुपालन से छूट दी है, जो 31 मार्च 2027 तक वैध है।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333256

7 प्रधानमंत्री ने एशियाई पैरा खेलों में भारत के पदकों की संख्या 14 से बढ़कर 114 होने की उपलब्धि को रेखांकित किया: इस वर्ष 30 स्वर्ण, पांच विश्व रिकॉर्ड और नौ एशियाई रिकॉर्ड

PM highlights India's rise from 14 to 114 medals at the Asian Para Games: 30 golds, five world records and nine Asian records this year

SSC • Railway • Sports • General

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 नवंबर 2026 को एशियाई पैरा खेलों में भारत के पदकों की संख्या 14 से बढ़कर 114 तक पहुंचने की उल्लेखनीय उपलब्धि को रेखांकित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि देश के खिलाड़ियों की अपार क्षमता और प्रतिभा को दर्शाती है। प्रधानमंत्री के अनुसार इस वर्ष के खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 30 स्वर्ण पदक जीते, पांच विश्व रिकॉर्ड और नौ एशियाई रिकॉर्ड बनाए, तथा चार स्पर्धाओं में पोडियम के तीनों स्थानों पर जीत हासिल कर क्लीन स्वीप किया। उन्होंने दो उपलब्धियों का विशेष उल्लेख किया: एशियाई पैरा खेलों में पहली बार हिस्सा लेने वाले 61 खिलाड़ियों में से 36 पदक जीतकर लौटे, और 56 महिला खिलाड़ियों में से 34 ने पदक जीते। एक्स पर अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने दिखा दिया है कि दृढ़ संकल्प हो तो कोई सपना बहुत बड़ा नहीं और कोई चुनौती बहुत कठिन नहीं होती, कि वह दौर बीत चुका है जब खेलों में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं को समाज की आलोचना का सामना करना पड़ता था, और कि प्रतिभा है तो भारत साथ खड़ा होगा और उत्साह बढ़ाएगा। उसी दिन एक अलग रिलीज़ में PIB ने बताया कि प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारतीय दल से बातचीत की।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333392

8 अमित शाह ने हरियाणा के अंबाला में 1857 में आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन किया; 22 एकड़ में 594 करोड़ रुपये की लागत से बना है स्मारक

Amit Shah inaugurates the Martyrs' Memorial of the First War of Independence of 1857 at Ambala, Haryana, built on 22 acres at a cost of Rs 594 crore

SSC • Railway • History • General

गृह मंत्रालय ने बताया कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 5 नवंबर 2026 को हरियाणा के अंबाला में 1857 में आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन किया; इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल उपस्थित थे। श्री शाह के अनुसार यह स्मारक 22 एकड़ भूमि पर 594 करोड़ रुपये की लागत से 22 दीर्घाओं के साथ बना है; इसमें वर्चुअल रियलिटी, होलोग्राफी और इंटरैक्टिव प्रोजेक्शन जैसी आधुनिक तकनीक के साथ ऐतिहासिक दस्तावेजों और हरियाणा की कलाओं को एक साथ पिरोया गया है, और इसमें फुलकारी और सरकंडा की शिल्पकला, 2,500 लोगों के बैठने की क्षमता वाला ओपन एयर थिएटर और लाइट एंड साउंड शो है, जो दर्शकों को वापस 1857 में ले जाने के लिए बनाया गया है। अपने संबोधन में श्री शाह ने कहा कि इसी भूमि - अंबाला कैंट - पर 10 मई 1857 को क्रांतिवीरों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति का बिगुल फूंका था, और वीर सावरकर ने कहा था कि 1857 की क्रांति भारत माता की संतानों के लिए विद्रोह नहीं बल्कि स्वतंत्रता संग्राम है। उन्होंने 1857 के योद्धाओं में नाना साहेब पेशवा, महारानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे और बेगम हजरत महल का, और हरियाणा की भूमि पर आजादी की लड़ाई लड़ने वालों में राजा नाहर सिंह और राव तुलाराम का नाम लिया, तथा देशभर के युवाओं से इस स्मारक को देखने और शहीदों को श्रद्धांजलि देने का आग्रह किया। श्री शाह ने बताया कि उसी दिन 1,260 करोड़ रुपये की लागत से बने नेशनल हाईवे का भी लोकार्पण हुआ।

स्रोत: PIB — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2333270

आज का अभ्यास — 5 प्रश्न

प्र.1 'कीवी: अरुणाचल प्रदेश की विशेषता' (Kiwi: USP of Arunachal Pradesh) ब्रांडिंग पहल के तहत एपीईडीए ने अरुणाचल प्रदेश के ज़िरो से 1.5 मीट्रिक टन कीवी का प्रायोगिक निर्यात किस शहर के लिए कराया, जहाँ इसे एक हाइपरमार्केट में प्रदर्शित किया गया (वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, 3 नवंबर 2026)?

(A) दुबई
(B) रियाद
(C) दोहा
(D) मस्कट

प्र.2 प्रधानमंत्री (5 नवंबर 2026) के अनुसार इस वर्ष के एशियाई पैरा खेलों में, जिनमें भारत के पदकों की संख्या 114 तक पहुंची, भारतीय खिलाड़ियों ने कितने स्वर्ण पदक जीते?

(A) 30
(B) 36
(C) 29
(D) 34

प्र.3 नीति आयोग ने महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए टेक्समिन (TEXMiN) के साथ एक संयुक्त आशय वक्तव्य पर हस्ताक्षर किए हैं; विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की यह पहल किस संस्थान में स्थित है (जानकारी 3 नवंबर 2026 को दी गई)?

(A) आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी
(B) आईआईटी (आईएसएम) धनबाद
(C) आईआईटी खड़गपुर
(D) एनआईटी राउरकेला

प्र.4 दस महीने का ट्रांसओशनिक नौकायन अभियान लोकायन 26 पूरा करके भारतीय नौसेना का कौन-सा जहाज 2 नवंबर 2026 को कोच्चि लौटा?

(A) आईएनएस तरंगिणी
(B) आईएनएसवी तारिणी
(C) आईएनएस सुदर्शिनी
(D) आईएनएस विक्रांत

प्र.5 3 नवंबर 2026 को वर्चुअल माध्यम से भारत और किस देश के बीच द्विपक्षीय रक्षा संवाद का पहला संस्करण आयोजित किया गया?

(A) कनाडा
(B) ऑस्ट्रेलिया
(C) जापान
(D) फ्रांस

उत्तर: 1-(A) 2-(A) 3-(B) 4-(C) 5-(A)

रोज़ सुबह 7 बजे यही PDF Telegram पर: t.me/parikshasaathiapp — चैनल से जुड़ें और दोस्तों को भेजें

रोज़ का PDF: parikshasaathi.com/daily-pdf — सभी संस्करण: parikshasaathi.com/downloads/

वेबसाइट: parikshasaathi.com (हिंदी + English में 248 पाठ, रोज़ का करंट अफेयर्स, परीक्षा नोटिस)

ऐप: Pariksha Saathi — Free, Offline, SSC/Bank की पूरी तैयारी। प्रकाशक: Mahesh Srivastava, Founder. सामग्री आधिकारिक विज्ञप्तियों से AI की सहायता से तैयार; किसी विषय-विशेषज्ञ संपादक द्वारा समीक्षित नहीं। ग़लती दिखे तो parikshasaathi.com/contact/ पर बताएँ।